भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3842

27/03/2026 को उत्तरार्थ

विषय- कृषि अवसंरचना निधि का कार्यान्वयन

3842. डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:

श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाणः

श्रीमती संगीता यादवः

श्री आदित्य प्रसादः

डा. कविता पाटीदारः

श्री शंभू शरण पटेलः

श्री मोकरिया रामभाईः

श्री बृज लालः

श्री मदन राठौड़:

श्री अमर पाल मौर्यः

श्री तेजवीर सिंहः

श्रीमती सीमा द्विवेदी

श्री नरहरी अमीनः

श्री सदानंद महालू शेट तानवड़ेः

श्री लहर सिंह सिरोयाः

श्री बाबू राम निषादः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) के अंतर्गत संस्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या और मूल्य का ब्यौरा क्या है;

(ख) विशेष रूप से राजस्थान में, भंडारण, शीतागार और प्राथमिक प्रसंस्करण की सुविधाएं सेक्टर-वार और क्षेत्र-वार कहाँ-कहाँ पर स्थित हैं;

(ग) क्या संस्वीकृत ऋणों का संवितरण निर्धारित समय सारणी के अनुसार किया जा रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान के संकेतकों द्वारा दर्शाए गए मापनीय परिणाम क्या हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): दिनांक11.03.2026 तक, देश में एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) के तहत 170241 परियोजनाओं के लिए 84502.78 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

(ख): राजस्थान सहित वेयर हाउस (गोदाम), कोल्ड स्टोरेज और प्राइमरी प्रोसेसिंग का क्षेत्रवार और क्षेत्रीय आधार पर वितरण अनुबंध में दिया गया है।

(ग): फंड का संवितरण एआईएफ के दिशा-निर्देशों के अनुसार परियोजना के लक्ष्यों से जुड़े चरणबद्ध तरीके से किया जाता है। दिनांक 11.03.2026 तक 62219.10 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं।

(घ): भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद द्वारा किए गए प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन के अनुसार, एआईएफ से फसलोत्तर हानियों में कमी, अतिरिक्त भंडारण स्थान का सृजन, बाजार पहुंच में वृद्धि, किसानों के लिए उन्नत मूल्य प्राप्ति और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कृषि आपूत श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने जैसे फसलोत्तर संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अध्ययन के प्रमुख परिणाम इस प्रकार हैं:

- फसल उपरांत नुकसान में कमी**:** एआईएफ के हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप फसल उपरांत के नुकसान में औसतन 5 से 15% की कमी आई है, यह सुधार बेहतर भंडारण, प्रोसेसिंग और मशीनीकरण प्रणालियों का परिणाम है इससे दक्षता वृद्धि हुई है तथा वस्तुओं के खराब होने में कमा आई है।
- बाजार तक पहुंच**:** बेहतर लॉजिस्टिक्स और एकत्रीकरण इंफ्रास्ट्रक्चर में **10** से **25%** की वृद्धि हुई जिससे नए बाजारों तक पहुंच संभव हुई है। कुल मिलाकर, लगभग 38% लाभार्थियों ने एंड-टू-एंड मूल्य श्रृंखलाओं में बेहतर एकीकरण की सूचना दी। औसतन, लगभग 56% लाभार्थियों ने बेहतर गुणवत्ता आश्वासन और बाजार एकीकरण के कारण बेहतर प्रतिस्पर्धात्मकता की सूचना दी।
- मूल्य प्राप्ति**:** 63% एआईएफ लाभार्थियों ने बेहतर भंडारण**,** ग्रेडिंग**,** पैकेजिंग और बिक्री में देर करने की क्षमता के माध्यम से बेहतर मूल्य प्राप्त किए। सूचना के अनुसार 11 से 25% तक आय में वृद्धि हुई। जिसमें कोल्ड-चेन, कम्पोसिट और प्रोसेसिंग में सबसे अधिक सुधार हुआ।

अनुबंध

राजस्थान सहित गोदामों, कोल्ड स्टोरेज तथा प्राइमरी प्रोसेसिंग केंद्रों का सेक्टर-वार क्षेत्र-वार विवरण।

क्र.सं.	राज्य	वेयरहाउस	कोल्ड स्टोर और कोल्ड चेन	प्राइमसी प्रोसेसिंग केंद्र	योग
1	आंध्र प्रदेश	1429	57	586	2072
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	3	3
3	असम	98	12	368	478
4	बिहार	891	43	343	1277
5	चंडीगढ़	1	1	-	2
6	छत्तीसगढ़	573	73	649	1295
7	दिल्ली	2	3	-	5
8	गोवा	1	9	7	17
9	गुजरात	836	349	840	2025
10	हरियाणा	334	71	864	1269
11	हिमाचल प्रदेश	39	47	44	130
12	जम्मू एवं कश्मीर	16	30	60	106
13	झारखंड	55	31	278	364
14	कर्नाटक	1582	115	1736	3433
15	केरल	154	70	1839	2063
16	मध्य प्रदेश	4506	149	2292	6947
17	महाराष्ट्र	2104	293	5758	8155
18	मणिपुर	-	2	1	3
19	मेघालय	1	-	1	2
20	नागालैंड	3	-	2	5
21	ओडिशा	398	40	577	1015
22	पुदुचेरी	2	2	1	5
23	पंजाब	171	289	2101	2561
24	**राजस्थान**	753	69	984	1806
25	तमिलनाडु	1537	94	1557	3188
26	तेलंगाना	776	39	1215	2030
27	दादरा एवं नागर हवेली तथा दमन एवं दीव	-	-	1	1
28	त्रिपुरा	4		4	8
29	उत्तर प्रदेश	1276	865	4114	6255
30	उत्तराखंड	167	21	70	258
31	पश्चिम बंगाल	466	121	399	986
	कुल	18175	2895	26694	47764

******